ST. FRANCIS DE SALES COLLEGE

A FRANSALIAN INSTITUTE OF HIGHER EDUCATION **AUTONOMOUS**

NAAC A GRADE • AFFILIATED TO BANGALORE UNIVERSITY • AICTE APPROVED • 2(F) & 12 (B) RECOGNITION OF UGC • ISO 9001:2015 CERTIFIED

Electronics City P.O., Bengaluru - 560 100, Karnataka, INDIA (+91) 8088140679 pro@sfscollege.in www.sfscollege.in

END SEMESTER EXAMINATION – APRIL/MAY 2026

HINDI - II SEMESTER BCOM (F+R)

24BCO21H: KAVYA MANJUSHA, PATR LEKHAN AUR SANKSHEPAN

Time: 3 Hours **Max. Marks:80**

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उतर एक शब्द या वाक्य में दीजिये| **10x1=10**

1. हनुमान जी को किसने प्रेरित किया ?
2. बिहारी के अनुसार सच्चे प्रेम की पहचान क्या है?
3. मीरा के अराध्य देव कौन हैं?
4. रानी लक्ष्मीबाई का विवाह किससे हुआ था?
5. कवि किनको प्रणाम कर रहा है?
6. कैकेयी का हृदय किसके समान कठोर था?
7. विश्व की तुलना किससे की गई है?
8. परिवार के लोग अब कहाँ दिखते हैं?
9. सभ्यता की दौड़ में मनुष्य क्या पीछे छोड़ता है?
10. आज का वैज्ञानिक युग कैसा है?

II. किन्हीं दो अवतरण की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए| **2x7=14**

1. जात पवनसुत देवन्ह देखा| जाने कहूँ बल बुद्धि बिसेषा||
   सुरसा नाम अहिन्ह कै माता| पठइन्हीं आइ कही तेहिं बाता||
2. जिनकी सेवाएँ अतुलनीय
   पर विज्ञापन से रहे दूर
   प्रतिकूल परिस्थिति ने जिनके
   कर दिए मनोरथ चूर-चूर!

3. जब वह आत्मालोचन करता है,
   मन की परतें खोलता है,
   स्वयं से बोलता है,
   हानि- लाभ का लेखा-जोखा नहीं,
   क्या खोया, क्या पाया का हिसाब भी नहीं,
   जब वह पूरी जिन्दगी को ही तौलता है।

III. किन्हीं दो कविताओं का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **2x15=30**

1. झाँसी की रानी
2. कैकयी का पश्चाताप
3. संयुक्त परिवार

IV. किसी एक कविता पर टिपण्णी लिखिए। **1x6=6**

1. मीराबाई की भक्ति
2. जीवन- एक युद्ध भूमि है

V. किसी एक पत्र को लिखो । **1x10=10**

1. आलोक एंड संस की ओर से व्यवस्थापक , जनरल इंश्योरेंस सोसायटी लि. को अग्नि-बीमा के सम्बन्ध में पूछताछ हेतु बीमा पत्र लिखिए ।
2. पुष्पलता ग्रंथालय मैसूर से मूल्य सम्बन्धी पूछ ताछ करते हुए सर्वश्री साहित्य भवन आगरा के नाम एक पत्र लिखिए ।

VI. निम्नलिखित गद्यांश का एक तिहाई शब्दों में सार लिखो। **1x10=10**

संस्कार में समाए गुण जब आचरण में उतरते हैं तो उनकी सुवास से सारा समाज महक उठता है। इस प्रकार एक व्यक्ति अपने आचरण द्वारा पूरी एक संस्कारी पीढ़ी का उद्भव करता है।संस्कार के समक्ष समाज सदैव नमन की मुद्रा में झुका है। और उसके इस विनीत भाव ने व्यक्ति को महानता के परम लक्ष्य तक पहुँचाया है।